सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 146 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 3 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मैंने देखा है कि काफी हद तक भाग्य उम्मीद के मुताबिक होता है। अगर आप अधिक भाग्य चाहते हैं तो अधिक जोखिम उठाएं। अधिक एक्टिव रहे। अधिक हिस्सा लें। -ब्रायन ट्रेसी

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच होगा टी20 विश्वकप... 7 | ओडिशा में एकबार फिर सियासी... 3 | पूरे प्रदेश में वसूली का खेल चल... 2

# एक सड़क हादसा या सियासी साजिश

## भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल

» एमएलए रोड एक्सीडेंट टिकट बचाने या फिर जान से मारने की योजना

» बृजभूषण राजपूत रोड एक्सीडेंट मामलो में सच्चाई क्यों नहीं आ रही सामने?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। क्या यह सिर्फ एक सड़क हादसा था या फिर इसके पीछे कोई बड़ी साजिश छिपी है? क्या एक बीजेपी विधायक पर हमला हुआ या फिर राजनीति में एक नई कहानी गढ़ी जा रही है?

बुंदेलखंड की राजनीति बीजेपी विधायक बृजभूषण राजपूत के रोड एक्सीडेंट की खबर के बाद से धधक गयी है। झांसी से चरखारी लौट रहे बीजेपी विधायक बृजभूषण राजपूत की गाड़ी हादसे का शिकार होती है। विधायक सुरक्षित बच जाते हैं। लेकिन हादसे के कुछ घंटों बाद जो बयान आता है वह पूरे मामले को साधारण एक्सीडेंट से उठाकर सियासी बहस के केंद्र में ला देता है।

### वाहन के पोजीशन बदलने पर चर्चा

लेकिन कहानी का दूसरा पक्ष भी है। कुछ स्थानीय राजनीतिक सूत्र अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं। उनका कहना है कि विधायक के काफिले में हमेशा कई गाड़ियां चलती हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जिस वाहन का हादसा हुआ उसकी पोजीशन उसी दिन क्यों बदली गई? क्या यह महज संयोग था या इसके पीछे कोई और वजह थी? फिलहाल इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यही वजह है कि इस मामले में सवाल ज्यादा हैं और जवाब कम है।

### टिकट बचाने की कवायद या फिर भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद जान को खतरा

कुछ दिन पहले विधायक बृजभूषण राजपूत उस समय चर्चा का केन्द्र बिंदु बने थे जब उन्होंने महोबा में एक कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मिनिस्टर स्वतंत्र देव सिंह का हजारो लोगों के साथ घेराव कर दिया था। उन्होंने जलशक्ति मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाये थे। घेराव के बाद से ही वह और उनके पिता लगातार इस बात को कह रहे हैं कि भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद विधायक

ठेकेदारों के निशाने पर आ गये हैं और उनकी जान को खतरा है। विधायक कोई मामूली आरोप नहीं लगा रहे। विधायक बृजभूषण राजपूत ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को बाकायदा चिट्ठी लिखकर अपनी जान का खतरा बताया है।

### भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के बाद मिल रही थीं धमकियां

विधायक का दावा है कि जल शक्ति विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के बाद उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं और यह हादसा उसी सिलसिले की कड़ी हो सकता है। अगर यह दावा सही है तो सवाल सिर्फ एक विधायक की सुरक्षा का नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की जवाबदेही का है।

### अंदरूनी राजनीति और खींचतान

विधायक के आरोपों के बाद बीजेपी असहज स्थिति में आ गयी थी। और चर्चा इस बात की भी जोरो पर है कि विधायक का टिकट कट सकता है। पिछले चुनाव में बुंदलेखंड रीजन से बीजेपी को प्रचंड जीत हासिल हुई थी। इस बार भी बीजेपी अपने उस जीत के मोमेंटम को जारी रखना चाहती है और ग्राउंड रिपोर्ट इस बात की तस्दीक कर रही है कि झांसी से कम से कम दो विधायकों के टिकट को बदला जाएगा। अंदरखाने के सूत्र तो यही कह रहे है कि रोड एक्सीडेंट दाल में काला है और इस एक्सीडेंट की विस्तृत जांच की जाए और जो भी तथ्य सामने आये उसे जनता के सामने रखा जाना चाहिए। क्योंकि दोनों ही बाते अपने आप में लोकतंत्र के लिए मुफीद नहीं है चाहे वह विधायक के भ्रष्टाचार के आरोप हो या फिर अंदरखाने की खबरों के मुताबिक टिकट को बचाने की जद्दोजहद ।

# पूरे प्रदेश में वसूली का खेल चल रहा : अखिलेश यादव

## सपा प्रमुख बोले- यूपी में कहीं भी न्याय नहीं मिल सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। वसूली का खेल चल रहा है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा।**

उन्होंने कहा कि थाने भाजपा चला रही है। पुलिस को बस पैसे मिलने से मतलब है। यूपी में कहीं भी न्याय नहीं मिल सकता है। हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। मीडिया के लिए भी बजट होता है, लेकिन आज उसका भी बंदरबांट हो रहा है। अखिलेश यादव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर भी सरकार के निशाने पर लिया। कहा कि यह बात गांव-गांव तक पहुंच गई है। अब भाजपा को न चंदा मिलने जा रहा, न चढ़ावा मिलने जा रहा और न ही वोट मिलेगा। मर्यादा का पहला नाम राम और दूसरा नाम संविधान है। इन लोगों ने भगवान राम को भी दगा दिया है।

### सिख समुदाय के लोग सपा मुखिया से मिले

**चार अप्रैल से शुरू सिख सामाजिक न्याय यात्रा का आज समापन हुआ। इस अवसर पर यात्रा में शामिल सिख समुदाय के लोग सपा मुखिया से मिलने पहुंचे। इस अवसर पर सपा मुख्यालय में कार्यक्रम रखा गया। यहां पर अखिलेश यादव ने सभी बंधुओं को सम्मानित किया।**

# चुनाव जीतना है तो गांव, वार्ड व बूथ को मजबूत करें : अनुप्रिया

» अपना दल मुखिया ने कार्यकर्ताओं से किया आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। एनडीए की प्रमुख सहयोगी अपना दल (एस) ने अपनी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बृहस्पतिवार को मिशन-27 का शंखनाद किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव, वार्ड और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।यह कार्यक्रम पार्टी संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर जन स्वाभिमान दिवस के रूप में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हुआ।**

अनुप्रिया पटेल ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास से अपना दल (एस) प्रदेश की तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बन चुका है। कभी वोट कटवा कही जाने वाली पार्टी आज प्रदेश विधानसभा में 13 विधायकों के साथ प्रभावशाली राजनीतिक ताकत है। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय तथा पिछड़े, दलित, वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा पार्टी की मूल विचारधारा है। पार्टी जातीय जनगणना, विशेषकर ओबीसी की गणना और ओबीसी कल्याण के लिए अलग मंत्रालय की स्थापना की मांग करती रही है।

ओबीसी क्रीमी लेयर की वार्षिक आय सीमा 8 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये करने जैसे मुद्दे भी उठाती रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर घर झंडा अभियान को जनआंदोलन बनाने को कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आरपी गौतम ने की। इसका संचालन राष्ट्रीय सलाहकार राजेंद्र प्रसाद पाल ने किया। प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल भी मौजूद थे। डॉ. सोनेलाल पटेल की सुपुत्री अमन पटेल भी उपस्थित रहीं। पार्टी के सभी विधायक, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी तथा प्रदेशभर से आए सैकड़ों कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए।

# छत्तीसगढ़ अब नई साजिशों का शिकार हो रहा है : चरण दास

» कांग्रेस व नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा पर किया वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**रायपुर। भैरमगढ़ में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, बस्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखेश्वर बघेल, पूर्व विधायक देवती कर्मा, पूर्व विधायक गुरुमुख सिंह होरा तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री मलकीत सिंह गैदु सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया।**

कांग्रेस नेताओं के भैरमगढ़ पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने नेलसनार से लेकर विधायक निवास तक भव्य स्वागत किया। पूरे रास्ते में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। विधायक निवास परिसर में आयोजित बैठक की शुरुआत जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर के स्वागत संबोधन से हुई। बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि इस सम्मेलन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन को मजबूती मिलेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ढाई वर्ष बीत जाने के बावजूद भाजपा सरकार ने जनता से किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। बैज ने आगामी चुनावों में बस्तर की सभी 12 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस की जीत का लक्ष्य रखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार आदिवासियों को तेंदूपत्ता तोड़ने की अनुमति नहीं दे रही है, वहीं उद्योगपतियों को बस्तर के खनिज उत्खनन की अनुमति दी जा रही है। दीपक बैज ने चेतावनी देते हुए कहा कि बस्तर के जल, जंगल और जमीन की रक्षा आज सबसे बड़ी चुनौती बन गई है और कांग्रेस इस मुद्दे पर जनता के साथ मिलकर संघर्ष जारी रखेगी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने अपने संबोधन में कहा कि बस्तर को शांति, प्रेम और भाईचारे की भूमि के रूप में जाना जाता है, साथ ही यह क्षेत्र लंबे समय से संघर्ष और पीड़ा का साक्षी भी रहा है। उन्होंने राहुल गांधी के संदेश के अनुरूप कांग्रेस के हर कार्यकर्ता को आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के साथ खड़ा रहने का संकल्प दोहराया। डॉ. महंत ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद अब बस्तर को उजाड़ने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने बोधघाट परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि इससे जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा की जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज की पहचान हैं और इन्हें बचाने के लिए कांग्रेस संघर्ष जारी रखेगी।

# यूपी कांग्रेस ने कमर कसी, पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक

» संगठनात्मक मुद्दों पर बनी बात, प्रभारी व अध्यक्ष समेत कई दिग्गज जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने आगामी विस चुनाव के लिए कमर कसना शुरू कर दिया है। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान पदाधिकारियों एवं जिला-शहर अध्यक्षों की बैठक प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम के नेतृत्व में एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सम्पन्न हुई।**

बैठक में प्रदेश कांग्रेस से लेकर बूथ स्तर तक संगठनात्मक संरचना, जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला एवं ब्लाक और निचले स्तर तक की कमेटियों के बारे में विचार विर्मश किया गया। इसके साथ ही कांग्रेस की सम्पत्तियों का कैसे मानचित्रीकरण करना है, सम्पत्तियों की कैसे पहचान की जाए तथा उनका बेहतर डक्यूमेंटेशन किया जाए इस पर चर्चा की गयी। इसके अलावा उप्र के महत्वपूर्ण राजनैतिक, सामाजिक आर्थिक और सरकार के कार्यों से सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा की गयी। किसानों, युवा, महिला, दलित, पिछड़े, आदिवासी वर्ग के लोगों के बारे में तथा निजी क्षेत्र के कर्मचारी, छात्र, बेरोजगार युवा और जो लोग गरीबी रेखा के स्तर पर जीवन यापन कर रहे हैं हैं उसके विषय में चर्चा की गयी बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों को प्राथमिकता पर लिये जाने, उसका बेहतर प्रचार-प्रसार करने, जनसभाएं, प्रदर्शन, प्रेसवार्ता, सोशल मीडिया, आउटरीच और दूसरे संवैधानिक तरीकों से आगे बढ़ने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के अंत में कमेटी के सभी सदस्यगणों से विचार विमर्श के बादी राजेन्द्र पाल गौतम एवं अजय राय जी ने अपना विचार सभी के सामने रखा और उपरोक्त सभी मुद्दों और चुनौतियों को मजबूती के साथ सामना करने के लिए अपने सुझाव दिए।

### भावी कार्यक्रमों पर चर्चा

**भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चल रहे कार्यक्रम और आने वाले भावी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई और अन्य संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में इस बिन्दु पर भी चर्चा की गयी जो जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महत्वपूर्ण निर्देश हैं उसे संगठन के स्तर पर प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक प्रभावशाली तरीके से कैसे लागू किया जाए इस पर विचार विमर्श किया गया। राजनीतिक, संगठनात्मक एवं उ0प्र0 के सामने संचार से जुड़े मुद्दों पर जो चुनौतियां हैं उनको कैसे हल किया जाए इस विषय पर पर गहन विचार-विमर्श किया गया। समन्वय में कहीं अगर दूरी है, कांग्रेस के कैडर को मोबलाइज करने के लिए बूथ स्तर तक कांग्रेस पार्टी के विचारों को पहुंचाने के लिए आम जनता में कांग्रेस की छवि को और अधिक बेहतर बनाने के लिए, जो सामाजिक मुद्दों पर कांग्रेस का अपना संगठन बनाना है, इन सबका समयबद्ध रोड मैप बनाकर संगठन को मजबूत करके भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और कांग्रेस कमेटी को मजबूत करने के लिए इन सभी मुद्दों को लागू करने पर विचार विमर्श किया गया।**

## बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

# सीएम के कहने पर हुआ भरत तिवारी का एनकाउंटर : तेजस्वी

» राजद नेता के बयान से भाजपा बिफरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में मुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि अधिकारियों की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री के कहने पर एनकाउंटर हुआ। उनके बयान के बाद से राज्य में भाजपा बिफर गई है।**

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भरत तिवारी हत्याकांड और एनकाउंटर मामले को लेकर राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी को बड़े अधिकारियों ने पहले ही मामले की जानकारी दी थी और उनके कहने पर ही एनकाउंटर हुआ। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि भरत तिवारी एनकाउंटर कोई सामान्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि बड़े अधिकारियों ने मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री सम्राट चौधरी को जानकारी देने के बाद यह कार्रवाई की। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले के आरोपी पुलिस अधिकारी को डीएसपी पद पर प्रोन्नति दिए जाने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह केवल दिखावटी कार्रवाई है। उनके मुताबिक, सरकार वास्तविक जवाबदेही तय करने के बजाय औपचारिक कदम उठा रही है।

### अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा

**तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और सरकार गंभीर मामलों में भी प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है।**

# ओडिशा में एकबार फिर सियासी हलचल तेज

## बीजद में शामिल हुई पूर्व आईएएस सुजाता

» पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने किया स्वागत
» दिखा विरोध कई नेताओं ने बनाई दूरी
» भाजपा बोली- ये बीजद का आंतरिक मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा में आजकल सियासी हलचल तेज हो गई। सत्ता पार्टी भाजपा को लेकर यह सरगर्मी कम है बल्कि विपक्ष की पार्टी बीजद को लेकर है। जहां बीजद प्रमुख नवीन पटनायक समय-समय पर राज्य की भाजपा सरकार पर हमलावर रहतें हैं वही अपनी पार्टी की गतिविधियों को लेकर वह एकबार फिर चर्चा में हैं। अबकी बार पांडियन की पत्नी सुजाता राउत कार्तिकेयन के बीजद में औपचारिक रूप से शामिल होने के बाद राजनीतिक हलकों में नई चर्चाएं तेज हो गई हैं। खास बात यह रही कि शंख भवन में आयोजित कार्यक्रम में खुद नवीन पटनायक मौजूद रहे और उन्होंने सार्वजनिक रूप से सुजाता का स्वागत किया। वहीं भाजपा ने इसे बीजद का आंतरिक मामला बताया।

साल 2024 के लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनावों के दौरान वीके पांडियन का बीजू जनता दल और सत्ता के भीतर लगातार बढ़ता प्रभाव पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं को रास नहीं आ रहा था। नवीन पटनायक जिस तरह पांडियन और उनकी पत्नी सुजाता राउत कार्तिकेयन को महत्व दे रहे थे, उससे संगठन के भीतर असंतोष बढ़ने लगा था। यही वजह रही कि बीजद के कई पुराने और प्रभावशाली नेता पार्टी से दूरी बनाने लगे और अनेक नेताओं ने संगठन तक छोड़ दिया। चुनाव प्रचार के दौरान विपक्ष ने भी पांडियन के बढ़ते प्रभाव और उनकी भूमिका को बड़ा मुद्दा बनाया था। हालांकि चुनाव में हार के बाद पांडियन सक्रिय राजनीति से अलग हो गए, लेकिन नवीन पटनायक का पांडियन परिवार के प्रति भरोसा और निकटता कम नहीं हुई। इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक पूर्व नौकरशाह का राजनीतिक प्रवेश नहीं, बल्कि बीजद की भावी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के भीतर और बाहर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि आने वाले समय में सुजाता राउत कार्तिकेयन को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है और वह भविष्य में बीजद की कमान संभालने वाली प्रमुख चेहरा बनकर उभर सकती हैं। बहरहाल, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सुजाता का प्रवेश बीजद के लिए तत्काल दो संदेश देता है। एक तो यह कि पार्टी अब भी नवीन पटनायक के भरोसेमंद लोगों के हाथ में है। दूसरा यह कि बीजद अपनी पुरानी कल्याणकारी और महिला केंद्रित राजनीति को फिर से मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सुजाता केवल संगठनात्मक सहयोग तक सीमित रहती हैं या ओडिशा की राजनीति में एक प्रमुख राजनीतिक चेहरा बनकर उभरती हैं।

### 2000 बैच की ओडिशा कैडर की आईएएस अधिकारी रहीं सुजाता

हम आपको बता दें कि साल 2000 बैच की ओडिशा कैडर की आईएएस अधिकारी रहीं सुजाता ने मार्च 25 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी। वह पूर्व नौकरशाह और बीजद के प्रमुख रणनीतिकार रहे वीके पांडियन की पत्नी हैं। पांडियन ने भी अक्टूबर 23 में सेवा से त्यागपत्र देकर राजनीति में प्रवेश किया था और बाद में बीजद के चुनाव अभियान की कमान संभाली थी। हालांकि लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनाव में बीजद की हार के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली थी।

### मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं जो नवीन पटनायक के नेतृत्व में काम करूंगी : सुजाजा

वहीं पार्टी में शामिल होने के बाद सुजाता ने खुद को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि उन्हें पहले प्रशासनिक अधिकारी के रूप में और अब राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में नवीन पटनायक के नेतृत्व में ओडिशा की जनता की सेवा करने का अवसर मिला है। उन्होंने भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद और बीजद कार्यकर्ताओं का समर्थन मिलने की बात कही तथा जनता की सेवा के लिए समर्पित रहने का संकल्प दोहराया।

### सुजाता ने सोशल मीडिया पर अपनी राजनीतिक सोच सार्वजनिक की

हम आपको यह भी बता दें कि बीजद में शामिल होने के अगले ही दिन सुजाता ने सोशल मीडिया पर अपनी राजनीतिक सोच भी सार्वजनिक की। उन्होंने कहा कि राजनीति का भविष्य मैं नहीं बल्कि हम में है। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिवाद, सत्ता के केंद्रीकरण और व्यक्तिगत श्रेय की राजनीति को बढ़ावा देता है, जबकि हम टीम भावना, साझा जिम्मेदारी और लोगों को राजनीति से ऊपर रखने की सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम की राजनीति लोगों को जोड़ती है जबकि मैं की राजनीति विभाजन पैदा करती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनके इस बयान का उद्देश्य पार्टी के भीतर मौजूद आशंकाओं और विरोध को कम करना था।

### कई जनकल्याणकारी योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

प्रशासनिक सेवा में रहते हुए सुजाता ने कई जनकल्याणकारी योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुंदरगढ़ में आदिवासी छात्राओं के लिए साइकिल योजना शुरू करने, मध्याह्न भोजन में अंडे शामिल कर पोषण स्तर सुधारने, ममता योजना को आगे बढ़ाने और विशेष रूप से मिशन शक्ति के विस्तार में उनका योगदान उल्लेखनीय माना जाता है। उनके नेतृत्व में महिला स्वयं सहायता समूहों का नेटवर्क लगभग सत्तर लाख महिलाओं तक पहुंचा, जो बाद में बीजद के सबसे मजबूत सामाजिक आधारों में शामिल हुआ।

### कुछ नेता स्वागत समारोह से रहे दूर

बीजद के भीतर सुजाता की एंट्री को लेकर एकमत स्थिति नहीं दिखी। जहां कई नेताओं ने उनका स्वागत किया, वहीं कुछ वरिष्ठ नेता कार्यक्रम से अनुपस्थित रहे। इनमें विधानसभा में बीजद के उपनेता प्रसन्न आचार्य, वरिष्ठ विधायक रणेंद्र प्रताप स्वाइन, पूर्व मंत्री बद्री नारायण पात्र और वरिष्ठ नेता प्रणब प्रकाश दास शामिल थे। पार्टी के एक वर्ग को आशंका है कि सुजाता के आने से पांडियन का प्रभाव फिर से बढ़ सकता है। हम आपको याद दिला दें कि साल 24 के चुनाव में भाजपा ने पांडियन के प्रभाव और उनके तमिल मूल को प्रमुख मुद्दा बनाया था। बीजद की हार के बाद पार्टी के भीतर भी यह चर्चा तेज हुई थी कि पांडियन की शैली ने संगठन को नुकसान पहुंचाया।

### संगठन में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है

दूसरी ओर, सुजाता के बीजद में शामिल होने के साथ ही पार्टी के भीतर और बाहर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। माना जा रहा था कि उन्हें संगठन में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है या फिर उन्हें भविष्य के नेतृत्व के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है। लेकिन नवीन पटनायक ने इन सभी अटकलों को शांत करते हुए स्पष्ट कहा है कि अगले चुनाव में वही पार्टी का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि सुजाता केवल एक सामान्य सदस्य के रूप में पार्टी में शामिल हुई हैं और फिलहाल उन्हें कोई संगठनात्मक पद नहीं दिया जाएगा। नवीन ने यह भी कहा कि समय के साथ वह पार्टी की कार्यप्रणाली को समझेंगी और विशेष रूप से महिलाओं के लिए काम करेंगी।

### सुजाता के शामिल होने से भाजपा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा : ऐश्वर्या बिस्वाल

भाजपा ने इस पूरे घटनाक्रम को बीजद का आंतरिक मामला बताया है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्या बिस्वाल ने कहा कि सुजाता के शामिल होने से भाजपा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। देखा जाये तो फिलहाल बीजद के सामने सबसे बड़ी चुनौती चुनावी हार के बाद संगठन को दोबारा मजबूत करना है। पार्टी से कई नेताओं के जाने और कार्यकर्ताओं में निराशा के बीच सुजाता की एंट्री को बीजद के पुनर्गठन की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि अभी उन्हें कोई बड़ा पद नहीं दिया गया है, लेकिन उनकी प्रशासनिक छवि, महिलाओं के बीच प्रभाव और नवीन पटनायक के करीबी दायरे से जुड़ाव के कारण उनकी भविष्य की भूमिका पर चर्चाएं जारी हैं।

### बीजू पटनायक की कर्मभूमि से जुड़ी हैं पूर्व आईएस

हालांकि सुजाता का राजनीतिक और सामाजिक परिचय पांडियन से अलग माना जा रहा है। वह ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले की रहने वाली हैं, जिसे बीजू पटनायक की कर्मभूमि माना जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि उनका ओडिया चेहरा बीजद को उस आलोचना से राहत दिला सकता है, जिसका सामना पार्टी को पांडियन के कारण करना पड़ा था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# भारत के शहर क्या सह पाएंगे भूकंप के झटके

*अभी वेनेजुएला में पिछले हफ्ते भूकंप आया था जिसमे हजारों लोग मर गए। उसके बाद बलूचिस्तान के रास्त कश्मीर व उत्तर भारत में भी घरती डोली हालांकि उसमें कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। अब ये चर्चा होने लगी है कि क्या भारत के शहर भूकंप सहने के लायक हैं। उसमें जिस तरह से बिना भूकंप के इमारतों के गिरने की खबरे आती रहती हैं उससे तो ऐसा लगता है कि नहीं। प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। इस संदर्भ में सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए।*

*अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है। एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह आत्मसंतोष खतरनाक हो सकता है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए। इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए।*

**“ प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है।**

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# भारत में नागरिकता साबित करने के दस्तावेज का सवाल

एस. वाई. कुरैशी

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, न कि नागरिकता का पक्का सबूत। स्वत: संज्ञान वाले इस बयान ने एक पुरानी अहम बहस को फिर जिंदा कर दिया। क्या भारत को नागरिकता के प्रमाण लिए किसी एक, पक्के सबूत की जरूरत है? लोगों की प्रतिक्रिया हैरानी भरी थी। यदि पासपोर्ट भी पक्का सबूत नहीं, तो फिर क्या है? क्या आधार नागरिकता का सबूत है? क्या वोटर आईडी कार्ड है? क्या कोई ऐसा दस्तावेज है जो इस सवाल को हमेशा के लिए सुलझा दे? सीधा जवाब है- नहीं। भारत में कभी भी नागरिकता का कोई एक, सर्वमान्य दस्तावेज नहीं रहा। उलझन इसलिए पैदा होती है कि हम तीन अलग-अलग अवधारणाओं, पहचान, निवास और नागरिकता, को एक ही मान लेते हैं। वे आपस में जुड़ी हैं, लेकिन एक जैसी नहीं। आधार कार्ड पहचान व निवास की पुष्टि करता है।

पासपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में सहायक है। वोटर आईडी कार्ड वोट देने की पात्रता बनाता है। इनमें कोई भी सभी उद्देश्यों के लिए नागरिकता का कानूनी व पक्का सुबूत नहीं, हालांकि आखिरी दो केवल नागरिकों को ही जारी किए जाते हैं। भारत में नागरिकता नागरिकता अधिनियम, 1955 के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण(तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के जरिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉर्ड्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेजों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं। आधार कार्ड का अनुभव सीखने लायक है।

साल 2009 में शुरू किए गए आधार कार्ड को निवासियों की विशिष्ट पहचान के साधन के तौर पर डिजाइन किया गया था, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सके और दोहरापन खत्म हो। इसे जानबूझकर नागरिकता से अलग रखा गया था, नहीं पता क्यों। इसका नामांकन निवास के

आधार पर किया गया था, न कि राष्ट्रीयता के। नतीजतन, आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा। मुझे लगता है, यह एक चूक थी। इसे दोहरे उद्देश्य वाले दस्तावेज के तौर पर बनाना चाहिए था। नागरिकता पर बहस सबसे नाटकीय ढंग से असम में फिर उभरी। जहां एनआरसी सर्वे सिर्फ पहचान साबित करने की प्रक्रिया नहीं थी; यह राज्य में अवैध रूप से आकर बसने के इतिहास से जुड़ी नागरिकता की जांच-पड़ताल प्रक्रिया थी। 1985 के असम समझौते के तहत निवासियों को सबूत देना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में हुई इस प्रक्रिया में हजारों अधिकारी शामिल थे, करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च हुए और पांच साल चली। फिर भी, नतीजा बहुत विवादित रहा। 2019 में जारी अंतिम सूची से करीब 19 लाख आवेदक बाहर कर दिये। जो लोग एनआरसी की मांग कर रहे थे, उनके मुताबिक, इसमें अभी भी अवैध प्रवासी ले लिये, जबकि बाहर किए कई लोगों का दावा था कि असली नागरिक छोड़ दिए। अंतिम आधिकारिक सूची अभी अधिसूचित नहीं की व अधर में है। तो यह प्रक्रिया विफल क्यों रही? इसका जवाब पुरानी तारीखों से नागरिकता साबित करने की जटिलता में छिपा है। लाखों आम भारतीयों को- जैसे गरीब, प्रवासी, महिलाएं, भूमिहीन मजदूर और बाढ़ विस्थापित- दशकों पुराने दस्तावेजी सबूत पेश करने में मशक्कत करनी पड़ी। नाम में अंतर, रिकॉर्ड न मिलना या शादी के बाद नाम चेंज जैसी चीजों ने और मुश्किलें पैदा की। जब तीन करोड़ से ज्यादा लोगों से आधी सदी से पुराने रिकॉर्ड के जरिए नागरिकता साबित करने को कहा जाए तो त्रुटियां स्वाभाविक है।

अक्सर दी जाने वाली दलील कि पासपोर्ट या वोटर कार्ड जाली भी हो सकते हैं, लेकिन तब तो यह तर्क एनआरसी में जमा किए गए किसी भी दस्तावेज पर समान रूप से लागू होता है। जालसाजी का मुद्दा बेहतर जांच-पड़ताल वाली व्यवस्था बनाने की मांग करता है, न कि किसी दस्तावेज को खारिज करने की। असम का अनुभव एक बड़ा सवाल खड़ा करता है अगर 3.3 करोड़ आबादी वाले एक राज्य में ही इतनी मुश्किलें आईं, तो क्या 145 करोड़ लोगों के साथ पूरे देश में ऐसी प्रक्रिया बिना बड़ी परेशानी संभव होगी? यहां सवाल सिर्फ प्रशासनिक नहीं; जनता पर भरोसे का भी है।

# तकनीक का शिकंजा : डिजिटल साक्ष्यों से अपराधियों पर कसती नकेल

डॉ. सुधीर कुमार

**क्राइम थ्रिलर फ़िल्मों में अक्सर हम देखते थे कि अपराधी बड़ी चतुराई से सबूत मिटा देता था और अंत में 'परफेक्ट मर्डर' की गुत्थी अनसुलझी रह जाती थी। तब पुलिस की सफलता उंगलियों के निशानों और चश्मदीद गवाहों पर टिकी होती थी। लेकिन आज,हर इंसान चलते-फिरते एक 'डिजिटल डेटा बैंक' बन चुका है।**

क्राइम थ्रिलर फिल्मों में अक्सर हम देखते थे कि अपराधी बड़ी चतुराई से सबूत मिटा देता था और अंत में 'परफेक्ट मर्डर' की गुत्थी अनसुलझी रह जाती थी। तब पुलिस की सफलता उंगलियों के निशानों और चश्मदीद गवाहों पर टिकी होती थी। लेकिन आज, हर इंसान चलते-फिरते एक 'डिजिटल डेटा बैंक' बन चुका है। डिजिटल युग में 'परफेक्ट मर्डर' की धारणा अब एक मिथक मात्र है, क्योंकि तकनीकी साक्ष्य मानवीय गवाहों से अधिक विश्वसनीय साबित हुए हैं। केतन मर्डर केस और श्रद्धा वालकर हत्याकांड जैसे हालिया हाई-प्रोफाइल मामलों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अपराधी चाहे कितने भी भौतिक सबूत मिटा ले, उसका 'डिजिटल फुटप्रिंट' - जैसे कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड , टावर लोकेशन, गूगल मैप्स हिस्ट्री और इंटरनेट सर्च क्वेरी - झूठ नहीं बोलते।

यह डेटा ट्रैकिंग न केवल अभियुक्तों के 'अलबाई' (घटनास्थल पर न होने का दावा) को खारिज करती है, बल्कि अपराध के इरादे और उसकी कड़ियों को जोड़ने में निर्णायक भूमिका निभाती है। आधुनिक न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक ने अपराध जांच की दिशा पूरी तरह बदल दी है, जहां 'डेटा ही सबसे बड़ा गवाह' बन गया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (धारा 61 और 63) ने जांच की परिभाषा को पूरी तरह बदल दिया है। अब हत्या जैसे अपराधों की जांच केवल पोस्टमॉर्टम तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल साक्ष्य पर केंद्रित हो गई है। आज अपराधी चाहे कितनी भी चतुराई करे, वह अपने पीछे डेटा का एक ऐसा जाल छोड़ जाता है - जैसे कि मोबाइल लोकेशन, गूगल मैप्स, इंटरनेट सर्च हिस्ट्री, स्मार्ट वॉच का डेटा, व्हाट्सएप चैट्स, वाई-फाई सिग्नल, सीसीटीवी फुटेज और होम डिवाइस की वॉयस रिकॉर्डिंग, या ई-चालान में कैद कार की नंबर प्लेट - जो उसकी अपराध में संलिप्तता साबित करने के लिए पर्याप्त है। वर्तमान कानून के तहत, इन डिजिटल साक्ष्यों को अदालतों में 'प्राथमिक साक्ष्य' के रूप में पूर्ण मान्यता प्राप्त है।

भारतीय न्याय प्रणाली में डिजिटल साक्ष्यों की स्वीकार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अनवर पी.वी. (2014) और अर्जुन पंडितराव खोतकर (2020) जैसे ऐतिहासिक फैसलों के माध्यम से स्पष्ट किया है कि इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की प्रमाणिकता हेतु धारा 65 बी के तहत प्रमाण पत्र अनिवार्य है। ये दोनों ही मामले 'इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की ग्राह्यता' से संबंधित हैं। भारतीय कानून ने तकनीक के युग में साक्ष्यों की सत्यता सुनिश्चित कर न्याय को सुदृढ़ तो किया है, लेकिन इसने निजता के अधिकार के समक्ष भी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। के.एस. पुट्टास्वामी (2017) का फैसला हमें आगाह करता है कि सुरक्षा के नाम पर राज्य की डिजिटल निगरानी असीमित नहीं हो सकती। कानून निर्माताओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'डिजिटल फॉरेंसिक' के नाम पर नागरिकों की निजता और सुरक्षा के बीच एक सटीक संतुलन बनाए रखना है। आजकल अपराध और जांच का स्वरूप पूरी तरह डिजिटल हो गया है। अपराधी 'परफेक्ट मर्डर' के लिए सबूत मिटाने हेतु डेटा हैक या डिलीट करने का सहारा लेते हैं।

हालांकि, वे यह भूल जाते हैं कि डिजिटल दुनिया में 'डिलीट' किया गया डेटा कभी पूरी तरह खत्म नहीं होता। 'डिजिटल फॉरेंसिक' और 'रिकवरी टूल्स' के जरिए पुलिस क्लाउड बैकअप, सर्वर लॉग्स और डिलीट की गई फाइलों को आसानी से पुन: प्राप्त कर सकती है। डिजिटल सर्वर पर हर गतिविधि का कोई न कोई प्रमाण हमेशा मौजूद रहता है। दरअसल, जैसे-जैसे कानून सख्त हो रहा है, अपराधी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'डार्क वेब' का इस्तेमाल करके खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। जहां पुलिस डिजिटल साक्ष्य के सहारे आगे बढ़ रही है, वहीं अपराधी डिजिटल साक्ष्य को 'मैनीपुलेट' या 'फेक डिजिटल फुटप्रिंट' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह साइबर-क्राइम और फोरेंसिक का एक नया युद्ध है। आज अपराधों को रोकने के लिए व्यवस्था को 'डिजिटल-रेडी' बनाना अनिवार्य है।

सबसे पहले पुलिस बल का आधुनिकीकरण करते हुए हर स्तर पर अत्याधुनिक साइबर-फोरेंसिक लैब और विशेषज्ञों की एक बड़ी टीम तैयार करनी होगी। साथ ही, जजों और वकीलों को तकनीकी साक्ष्यों की बारीकियां समझने के लिए नियमित प्रशिक्षण देना जरूरी है। साक्ष्यों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने हेतु ब्लॉकचेन जैसी तकनीक का उपयोग करना चाहिए और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत सीसीटीवी नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ करना होगा। नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ निजी डेटा सुरक्षा और जांच के बीच एक सटीक संतुलन बनाना होगा, ताकि तकनीक का उपयोग अपराध को सुलझाने में एक मजबूत और पारदर्शी हथियार के रूप में किया जा सके। आज अपराधी चाहे जितनी चालाकी से सबूत मिटा ले, वह डिजिटल दुनिया में कोई न कोई ऐसी भूल कर देता है जो उसे सलाखों के पीछे पहुंचा देती है। हालांकि, इस पूरी व्यवस्था में न्याय की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए तकनीक के साथ-साथ मानवीय समझ का संतुलन भी बेहद जरूरी है।

# गर्मी में झटपट बनाएं ये टेस्टी व्यंजन

## इडली या अप्पे

इडली या अप्पे बैटर अगर पहले से बना हुआ हो तो आप इसे आसानी से कम वक्त में बना सकते हैं। इडली बैटर या अप्पे बैटर को सांचे व बर्तन में डालकर पकने दें। तब अब आप किचन से बाहर रहकर आराम भी कर सकती हैं। 5 से 10 मिनट में ये तैयार हो जाती हैं, वो भी एक बार में कई सारी। एक या दो बार में ही आप ज्यादा मात्रा में इन्हें तैयार करके आराम से खा सकते हैं।

## इंस्टेंट पोहा या उपमा

अगर कुछ गरम खाना हो तो पोहा या इंस्टेंट उपमा सबसे अच्छा विकल्प है। ये जल्दी बनते हैं और हल्के भी होते हैं।

## दही और फल से बने झटपट व्यंजन

गर्मी में दही सबसे अच्छा विकल्प होता है। गर्मियों में खाने के साथ रायता न मिले तो खाना अधूरा सा लगता है। आप दही में कटे हुए फल डालकर फ्रूट रायता या स्मूदी बना सकते हैं। यह न सिर्फ जल्दी बनता है बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। इसे बनाने के लिए एक बड़े कटोरे में दही डाले, इसमें नमक, काली मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर को मिला लें। सभी चीजों को मिलाने के बाद थोड़ी देर इसे फेटें। अब इस मिश्रण में कटे हुए सेब, अनानास, केला और अनाज के बीज डालकर मिक्स कर लें। आपका फ्रूट रायता बनकर तैयार है। अब इसे फ्रिज में तकरीबन 15 मिनट के लिए ठंडा होने के लिए रखें और फिर सर्व करें।

गर्मी के मौसम में किचन में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं लगता। बढ़ता तापमान, उमस भरी गर्मी और पसीने से तर-बतर हालत में गैस के सामने खड़े रहकर घंटों खाना बनाना किसी को भी थका सकता है। ऐसे में हर किसी की यही इच्छा होती है कि खाना जल्दी बन जाए और ज्यादा समय किचन में न बिताना पड़े। खासकर कामकाजी लोगों और गृहिणियों के लिए यह समस्या और भी बड़ी हो जाती है। लेकिन कुछ ऐसे व्यंजन हैं जो न सिर्फ मिनटों में तैयार हो जाते हैं, बल्कि स्वाद और पोषण में भी बेहतरीन होते हैं। गर्मी में हल्के, ठंडक देने वाले और झटपट बनने वाले व्यंजन आपकी दिनचर्या को आसान बना सकते हैं। तो आप ऐसे ही कुछ आसान और स्वादिष्ट व्यंजन ट्राई कर सकती हैं जिन्हें बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता। ये रेसिपीज न सिर्फ आपके समय की बचत करेंगी बल्कि आपको गर्मी से राहत भी देंगी।

## इंस्टेंट सैंडविच

इंस्टेंट सैंडविच हल्का और पेट भरने वाला होता है। इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले खीरा, प्याज और शिमला मिर्च को काटकर स्लाइस बना लें। फिर गाजर को कद्दूकस कर लें और उबले हुए आलू को मैश कर लें। इसके बाद आप इन सभी चीजों को एक बर्तन में रखें और इस पर पनीर कद्दूकस करके मिला लें। इसमें थोड़ा मेयोनिस भी मिलाएं। फिर इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब आपको सभी ब्रेड स्लाइस को गर्म तवे पर जरा सा ऑयल डालकर सेंक लें और इस पर टोमेटो सॉस, नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। कुछ ही मिनट में आपके सामने कुरकुरी वेज सैंडविच बन जाएगी। आप इसे टोमेटो या चिली सॉस के साथ सर्व कर सकते हैं।

## ठंडे पेय पदार्थ

नींबू पानी, छाछ या आम पना जैसे ड्रिंक्स मिनटों में बन जाते हैं। ये गर्मी से राहत देने के साथ-साथ ऊर्जा भी देते हैं। छाछ में विटामिन डी मौजूद रहता है जो कैल्शियम के अवशोषण को आसाना बनाता है। छाछ का सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है। महिलाओं में मेनोपॉज के बाद छाछ का सेवन फायदेमंद माना जाता है। रोज़ाना इसका खाली पेट सेवन करने से ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी होने का खतरा कम होता है। छाछ से मिलने वाला कैल्शियम दांतों को मज़बूत बनाने का काम करते हैं। गर्मी के मौसम में छाछ पीने से पेट की समस्या नहीं होती है। ये ठंडे पेय पदार्थ बनाना भी काफी आसान होता है।

## हंसना मना है

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से: तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके: अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए, लड़की वाले: कितना कमा लेते हो? लड़का: इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले: फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

टीचर: मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य: उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य: उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू : पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

लड़का: मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, लड़की का बाप: कितना कमा लेते हो। लड़का: 19000 हजार महीना। लड़की का बाप: 15000 मैं अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी: हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा.. पति: अरे उसमें डॉक्टर को क्या बताना ! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

## कहानी | शेर और बिल्ली

नील नामक जंगल में एक होशियार बिल्ली रहती थी। हर कोई उससे ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। सारे जानवर उसे बिल्ली मौसी कहते थे। कुछ जानवर उस बिल्ली मौसी से पढ़ने के लिए भी जाते थे। एक दिन बिल्ली मौसी के पास एक शेर आया। उसने कहा, मुझे भी आपसे शिक्षा चाहिए। मैं आपका छात्र बनकर आपसे सबकुछ सीखना चाहता हूं, कुछ देर सोचने के बाद बिल्ली बोली, ठीक है, तुम कल से पढ़ने के लिए आ जाना। अगले दिन से रोजाना शेर बिल्ली मौसी के यहां पढ़ने के लिए आने लगा। एक महीने बाद बिल्ली ने शेर से कहा, अब तुम मुझसे सब कुछ सीख चुके हो। तुम्हें कल से पढ़ाई के लिए आने की जरूरत नहीं है। शेर ने पूछा, आप सच कह रही हैं? मुझे सब कुछ आ गया है, क्या? बिल्ली ने कहा हां, शेर ने दहाड़ते हुए कहा, चलो फिर क्यों ना आज इस विद्या को तुम पर ही आजमा कर देख लिया जाए। डर के मारे सहमी हुई बिल्ली मौसी ने कहा, बेवकूफ, मैं तुम्हारी गुरु हूं। मैंने तुम्हें शिक्षा दी है, शेर ने बिल्ली की एक न सुनी और उसपर झपट पड़ा। अपनी जान बचाने के लिए बिल्ली दौड़ते-दौड़ते वह पेड़ पर चढ़ गई। शेर ने कहा, तुमने मुझे पेड़ पर चढ़ना नहीं सिखाया। पेड़ पर चढ़ने के बाद राहत की सांस लेते हुए बिल्ली ने जवाब दिया, मुझे तुम पर पहले दिन से ही विश्वास नहीं था। मैं जानती थी कि तुम मुझसे सीखने के लिए तो आए हो, लेकिन मेरे ही जीवन के लिए आफत बन सकते हो। अगर मैंने तुम्हें यह ज्ञान भी दिया होता, तो तुम आज मुझे मार डालते। बिल्ली बोली, तुम आज के बाद मेरे सामने कभी मत आना। ऐसा शिष्य जो अपने गुरु का सम्मान नहीं कर सकता, वो किसी क़ाबिल नहीं। बिल्ली मौसी की बात सुनकर शेर को भी गुस्सा आया, लेकिन वो कुछ नहीं कर सकता था, क्योंकि बिल्ली पेड़ पर थी। गुस्से को मन में लेकर शेर वहां से दहाड़ते हुए चला गया।

## 7 अंतर खोजें

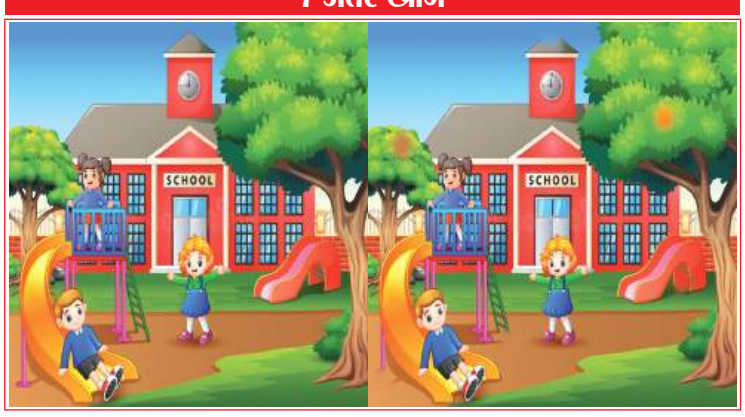


## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

**वृषभ**

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**मिथुन**

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

**कर्क**

कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

**सिंह**

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

**कन्या**

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

**तुला**

कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

**वृश्चिक**

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

**धनु**

भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

**मकर**

आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

**कुम्भ**

पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। चोट व रोग से बचें। अज्ञात भय रहेगा।

**मीन**

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

# साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रखने जा रही हैं सनाया कपूर

बॉलीवुड | गपशप

सिनेमा जगत में नेपो किड्स का मामला काफी गर्माता है। लेकिन कई स्टार किड्स ऐसे हैं, जो बड़ी फिल्मी बैकग्राउंड फैमिली से होने के बावजूद इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस मामले में अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर का नाम लिया जा सकता है।

अब खबर आ रही है कि शनाया कपूर हिंदी सिनेमा के अलावा साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रखने जा रही हैं। बताया जा रहा है कि उनके हाथ एक बड़ी मूवी लगी है।

आज के दौर में कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ सिनेमा की मूवीज को वरीयता दे रही हैं। खुद शनाया कपूर की कजिन सिस्टर जाह्नवी कपूर का नाम इसमें शामिल होता है, जो देवरा और पेड्डी जैसी साउथ फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। अब अपनी चचेरी बहन के नक्शेकदम पर चलते हुए शनाया कपूर भी साउथ फिल्मों में काम करेंगी।

शनाया कपूर के हाथ हनु-मैन और मिराई जैसी फिल्मों से फैंस का दिल जीतने वाले तेलुगु सुपरस्टार तेजा सज्जा की आने वाली फिल्म जॉम्बी रेडी 2 लग गई है। मालूम हो की जॉम्बी रेडी साल 2021 में रिलीज हुई थी और अब मेकर्स इसका सीक्वल ला रहे हैं, जिसमें लीड कास्ट के तौर पर शनाया और तेजा को शामिल किया गया है।

हालांकि, अभी इस मामले की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। अगर ऐसा ऑफिशियल होता है तो शनाया कपूर जॉम्बी रेडी 2 से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखेंगी। इससे पहले मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म वृषभा के लिए शनाया को कास्ट किया गया था, लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते उनके हाथ से वह मूवी निकल गई।

मालूम हो कि शनाया कपूर ने हिंदी सिनेमा में अभिनेता विक्रांत मैसी की लव स्टोरी ड्रामा फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से कदम रखा था। उनकी वह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी और फ्लॉप हो गई। इसके बाद वह आदर्श गौरव संग फिल्म तू या मैं नजर आई, जिसमें अपनी शानदार अदाकारी के दम पर शनाया ने काफी वाहवाही बटोरी।

# 14 साल बाद फिर लौटेगी अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी

करीब 14 सालों के लंबे इंतजार के बाद फिल्म भूत बंगला के जरिए सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने फेवरेट डायरेक्टर प्रियदर्शन संग बड़े पर्दे पर वापसी की थी। कमर्शियल तौर पर फिल्म सुपरहिट हुई और इन दोनों का कमबैक सफल रहा।

ये साफ किया कि वह अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की कल्ट फिल्म फ्रेंचाइजी हेरा फेरी 3 को नहीं बना रहे हैं। लेकिन इस बीच खबर आई है कि प्रियदर्शन ने अक्षय संग एक और नई फिल्म की डील डन कर ली है।

प्रियदर्शन और अक्षय की फिल्म हेरा फेरी से लेकर गरम मसाला, भागम भाग, दे दना दन और भूल भुलैया, भूत बंगला समेत हिंदी सिनेमा को कई सुपरहिट कामेडी फिल्में देने वाले फिल्मकार प्रियदर्शन और अभिनेता अक्षय कुमार की जोड़ी फिर साथ आने की तैयारी में है।

प्रियदर्शन हेरा फेरी फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म हेरा फेरी 3 का निर्देशन नहीं करने की पुष्टि कर चुके हैं। भले ही यह जोड़ी हेरा फेरी 3 फिल्म पर साथ न काम कर रही हो, लेकिन अब यह जोड़ी एक साथ नौवीं फिल्म पर काम करने के लिए तैयार है, जिसकी पुष्टि स्वयं प्रियदर्शन ने की है।

उन्होंने कहा- मैं अपनी अगली फिल्म अक्षय कुमार और टिप्स (फिल्म प्रोडक्शन कंपनी) के साथ बना रहा हूं। अबकी बार यह जोड़ी एक कामेडी थ्रिलर फिल्म पर साथ काम करने जा रही है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फिल्म की कहानी प्रियदर्शन ने ही लिखी है। जिसमें उन्होंने रोमांच और कामेडी दोनों का संयोजन रखा है। इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू करने की योजना है। प्रियदर्शन फिल्म की पटकथा रोहन सरकार के साथ मिलकर लिखेंगे। अभिनेता अक्षय कुमार और फिल्मकार प्रियदर्शन की जोड़ी कुई सुपरहिट कामेडी फिल्मों के जानी जाती है। अब यह जोड़ी एक कामेडी थ्रिलर के जरिये दर्शकों को एक बार फिर रोमांचित करने की तैयारी कर रही है। इस नई फिल्म की डील से पहले अक्षय कुमार और प्रियदर्शन अपनी मोस्ट अवेटेड मूवी हैवान को पूरा कर चुके हैं। जिसकी रिलीज डेट का एलान हाल ही में हुआ है। 11 सितंबर को हैवान को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस मूवी में अक्षय कुमार करीब 17 साल बाद अभिनेता सैफ अली खान संग काम करते दिखेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

# समय के साथ फिल्म बनाने का तरीका काफी बदल गया है : अरशद वारसी

अरशद वारसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धमाल 4' और सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच एक्टर ने अपने करियर जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इतने साल में उनके काम करने का तरीका बदला है। साथ ही उन्होंने आज के युवा एक्टर्स के डर के बारे में भी बात की। आईएनएस के साथ बातचीत के दौरान अरशद वारसी ने अपनी पीढ़ी के कलाकारों और नई पीढ़ी के एक्टर्स के बीच देखे गए अंतर के बारे में बात की। इंडस्ट्री में बदलते काम के माहौल पर बात करते हुए, अरशद ने अपनी एक फिल्म की शूटिंग का मजेदार किस्सा भी सुनाया। अरशद का मानना है कि समय के साथ फिल्म बनाने का तरीका काफी बदल गया है। सबसे बड़ा अंतर ये है कि एक्टर्स शारीरिक रूप से मुश्किल शेड्यूल और लंबे समय तक चलने वाली शूटिंग को कैसे संभालते हैं। बातचीत के दौरान अरशद से पूछा गया कि पुरानी पीढ़ी के एक्टर्स नई पीढ़ी से कैसे अलग हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने एक ऐसा अनुभव शेयर किया जिसने उन पर गहरा असर डाला। उन्होंने एक स्टंट सीन की शूटिंग को याद किया। शॉट्स के बीच लंबा ब्रेक लेने के बजाय, वह बस अपने अगले क्यू का इंतजार करते और शूटिंग जारी रखते। इस घटना के बारे में बताते हुए अरशद ने कहा, 'मैंने वह सब किया और मैं आया और बैठ गया। अपने अगले शॉट का इंतजार किया, फिर मैं उठा और मैंने अगला शॉट और उसके बाद वाला शॉट किया।' यही वह काम करने का तरीका था जिसके वे अपने करियर के दौरान आदी हो गए थे। अरशद को बिना किसी रुकावट के शूटिंग जारी रखते देख, फिल्म के निर्देशक उनके पास गए और एक ऐसी बात कही जो अभिनेता को आज भी याद है।

# ये है दुनिया का सबसे अनोखा जीव, अंडे देने के बाद भी बच्चों को पिलाती है दूध!

प्रकृति ने कई अनोखे जीवों को रचा है लेकिन प्लैटिपस उन सबसे अलग है। इसे देखकर वैज्ञानिक भी हैरान रह गए थे जब पहली बार इसे खोजा गया था। कई लोग इसे बतख और बीवर का मिश्रण समझ बैठते हैं लेकिन ये सबसे अलग एक अलग ही जीव है। प्लैटिपस की चोंच बतख जैसी होती है, पूंछ बीवर जैसी सपाट, पंजे ऊदबिलाव जैसे और शरीर का आकार छोटे कुत्ते जैसा होता है। इसके पैरों में झिल्ली है जो तैरने में मदद करती है। नर प्लैटिपस के पिछले पैरों में जहर वाली स्पर (नुकीली संरचना) होती है जिससे ये खुद को बचाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ये दुनिया के कुछ विषैले स्तनधारियों में से एक है। ज्यादातर स्तनधारी जीव बच्चे जन्म देते हैं लेकिन प्लैटिपस और कुछ ईचिडना मोनोट्रेम्स नामक समूह के सदस्य हैं जो अंडे देते हैं। मादा प्लैटिपस दो से तीन अंडे देती है। ये अंडे नरम खोल वाले होते हैं। मां अंडों को अपने शरीर की गर्मी से सेती है। करीब दस दिन बाद बच्चे निकलते हैं। अंडों से बच्चे निकलने के बाद मादा उन्हें दूध पिलाती है। लेकिन प्लैटिपस में स्तन नहीं होते हैं। दूध सीधे पेट की त्वचा के छिद्रों से रिसता है। बच्चे मां के पेट पर चिपककर दूध चाटते हैं। यह दूध बहुत पौष्टिक होता है और बच्चों को तेजी से विकसित होने में मदद करता है। प्लैटिपस मुख्य रूप से पूर्वी ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया के मीठे पानी के इलाकों में पाया जाता है। ये रात में सक्रिय रहता है। दिन में बिल में छिपा रहता है। ये बेहतरीन तैराक है और पानी के नीचे दो मिनट तक सांस रोक सकता है। शिकार के समय अपनी चोंच से इलेक्ट्रिकल सिग्नल्स का पता लगाता है। प्लैटिपस की 10 हजार से ज्यादा इलेक्ट्रोरिसेप्टर्स होती हैं जो शिकार ढूंढने में मदद करती हैं। नर प्लैटिपस का जहर इंसान को मारने लायक नहीं लेकिन बहुत दर्द दे सकता है। ये 10 से 15 साल तक जीवित रह सकता है। प्लैटिपस की हड्डियां और दांत प्राचीन काल के जीवों की याद दिलाते हैं। प्लैटिपस को खतरा है। जल प्रदूषण, हैबिटैट लॉस और जलवायु परिवर्तन इसकी आबादी को प्रभावित कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया सरकार इसे संरक्षित प्रजाति घोषित कर चुकी है। प्लैटिपस का जीनोम अध्ययन करने से स्तनधारियों के विकास के बारे में बहुत कुछ पता चला है। ये जीव विकास की कड़ी को जोड़ता है जहां अंडे देने वाले जीवों से दूध पिलाने वाले स्तनधारियों का विकास हुआ था। कह सकते हैं कि प्लैटिपस प्रकृति का चमत्कार है। एक ही जीव में अंडे देना, दूध पिलाना, जहर होना और इलेक्ट्रिकल सेंस जैसी खूबियां मिलना वाकई अद्भुत है।

अजब-गजब | इस गांव के बच्चे बूढ़े भी जानते हैं जादू-टोना

# भारत का वो गांव जिसे कहा जाता है कैपिटल आफ ब्लैक मैजिक

भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में सुनते ही लोगों के मन में रहस्य और रोमांच दोनों जाग उठता हैय। कहीं भूतिया किले की कहानियां सुनाई देती हैं, तो कहीं ऐसे गांवों का जिक्र होता है, जो अपनी अनोखी परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में मशहूर हैं। इन्हीं रहस्यमयी जगहों में एक नाम असम के मायोंग गांव का भी आता है। इस गांव को लोग भारत की काला जादू राजधानी यानी Capital Of Black Magic तक कहते हैं। इस गांव को लेकर कई ऐसी कहानियां सुनने को मिलती हैं, जिन्हें जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। कोई कहता है यहां के लोग तंत्र-मंत्र जानते हैं, तो कोई दावा करता है कि यहां सदियों से जादुई विद्या का अभ्यास होता आ रहा है। हालांकि इन बातों की सच्चाई को लेकर अलग-अलग राय है, लेकिन मायोंग आज भी लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है।

मायोंग गांव असम के मोरीगांव जिले में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे स्थित है। यह गांव गुवाहाटी से करीब 40 किलोमीटर दूर है। देखने में यह एक सामान्य गांव जैसा लगता है, लेकिन इसकी पहचान पूरे देश में काले जादू और तांत्रिक परंपराओं की वजह से बनी हुई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यहां सदियों से तंत्र-मंत्र और जादुई विद्या का ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी चलता आ रहा है। गांव के बुजुर्गों के पास आज भी पुराने मंत्रों और पारंपरिक उपचारों से जुड़ी कई कहानियां मौजूद हैं। मायोंग को भारत की काला जादू राजधानी कहने के पीछे कई वजहें बताई जाती हैं। यहां के बारे में कहा जाता है कि पुराने समय में लोग अपनी सुरक्षा और इलाज के लिए तंत्र-मंत्र का इस्तेमाल करते थे। गांव में रहने वाले कुछ ओझा और तांत्रिक आज भी पारंपरिक तरीकों से लोगों का इलाज करने का दावा करते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यहां कुछ लोग हाथ की रेखाएं पढ़ने, भविष्य बताने और मंत्रों के जरिए समस्याओं को दूर करने की कला जानते हैं। हालांकि इन बातों को लेकर कोई वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद नहीं है, लेकिन गांव की कहानियां लोगों को हमेशा आकर्षित करती रही हैं।

मायोंग गांव का नाम महाभारत काल से भी जोड़ा जाता है। स्थानीय कथाओं के अनुसार, भीम और हिडिंबा के पुत्र घटोत्कच ने इसी क्षेत्र में कई रहस्यमयी विद्याएं सीखी थीं। कुछ लोगो का यह भी मानना हैं कि मायोंग शब्द संस्कृत के माया या भ्रम शब्द से बना है, जिसका मतलब जादू या रहस्य होता है। यही वजह है कि इस गांव को लेकर लोगों के मन में आज भी उत्सुकता बनी रहती है। मायोंग में कई लोग पारंपरिक उपचार पद्धतियों पर भरोसा करते हैं। गांव के ओझा दावा करते हैं कि वे कुछ बीमारियों और दर्द को मंत्रों और पारंपरिक तरीकों से ठीक कर सकते हैं। कुछ स्थानीय कहानियों में यह भी कहा जाता है कि यहां तांबे की प्लेट या खास मंत्रों के जरिए दर्द दूर करने की कोशिश की जाती है। कई कहानियों में यह भी कहा जाता हे कि यहां कई बीमारियों को ठीक करने के लिए भूतों की भी मदद ली जाती है। हालांकि इन दावों की पुष्टि वैज्ञानिक रूप से नहीं हुई है। इस गांव को लेकर कई रहस्यमयी कहानियां मशहूर हैं। पुराने समय में लोग इस गांव का नाम सुनकर भी डर जाते थे। कहा जाता था कि यहां आने वाला हर व्यक्ति आसानी से वापस नहीं लौट पाता था और एक छोटी सी गलती के बाद वहां लोग काले जादू के चपेट में आ जाते हैं।

काले जादू और रहस्यमयी कहानियों की वजह से मायोंग अब धीरे-धीरे लोगों के बीच एक टूरिस्ट प्लेस बनता जा रहा है। हर साल यहां बड़ी संख्या में टूरिस्ट पहुंचते हैं, जो इस गांव की अनोखी परंपराओं और रहस्यमयी इतिहास को करीब से देखना चाहते हैं।

# बंगाल में अब भी नहीं थम रहा सियासी बवाल

## चुनाव आयोग ने ममता और ऋतब्रत बनर्जी से मांगा जवाब

» तृणमूल कांग्रेस में और बढ़ा सियासी घमासान

» चुनाव चिन्ह और संगठन पर दावे को लेकर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव हुए दो महीने होने को है। सरकार को बने भी लगभग इतना समय हो गया पर वहां पर सियासी बवाल जारी है। सबसे ज्यादा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में घमासान मचा है। पहले जहां पार्टी में बगावत से ममता बनर्जी जूझ रही हैं अब चुनाव आयोग ने जवाब मांग कर उन्हे दोहरा घाव दे दिया है। हालांकि आयोग ने दूसरे गुट का भी तलब किया है। नेतृत्व को लेकर चल रहा विवाद अब चुनाव आयोग तक पहुंच गया है।

पार्टी के भीतर बढ़ते टकराव के बीच भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने ममता बनर्जी और ऋतब्रत बनर्जी, दोनों पक्षों से पार्टी के संगठनात्मक ढांचे और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं को लेकर किए गए दावों पर जवाब मांगा है। आयोग ने दोनों गुटों को 6 जुलाई, शाम 5.30 बजे तक अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि यह कदम पार्टी के भीतर गहराते राजनीतिक संकट के बीच उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट पार्टी के संगठन और चुनाव चिन्ह पर अपना अधिकार जता रहा है। इसी दावे को लेकर दोनों पक्षों ने चुनाव आयोग के सामने अलग-अलग दावे पेश किए हैं। अब आयोग दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आगे की प्रक्रिया तय करेगा। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने चुनाव आयोग की ओर से अलग गुट से बातचीत किए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऋतब्रत बनर्जी को पहले ही पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। ऐसे में उन्हें पार्टी का प्रतिनिधित्व करने या आयोग के सामने अपनी बात रखने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि आयोग ने इस गुट को अलग से मिलने की अनुमति क्यों दी।

**सौगत रॉय ने बागी गुट पर उठाए सवाल**

### यह कोई अधिकृत गुट नहीं : सागरिका घोष

टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने भी बागी गुट को खारिज करते हुए कहा कि यह किसी अधिकृत संगठन का हिस्सा नहीं है। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग के नियम साफ कहते हैं कि केवल पार्टी के अधिकृत प्रतिनिधि या नामित हस्ताक्षरकर्ता ही आयोग से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निष्कासित नेता के नेतृत्व वाला समूह पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता।

### ऋतब्रत बनर्जी ने आयोग के सामने रखा पक्ष

प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि 22 जून को आयोजित विशेष बैठक के बाद उन्होंने सभी जरूरी दस्तावेज आयोग को सौंप दिए थे और पूर्ण पीठ से मिलने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों ने उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनी और आगे संपर्क करने का भरोसा दिया।

# महिला पहलवान मामले में बृजभूषण सिंह पर फैसला सुरक्षित

» 3 अगस्त को होगा सजा या रिहाई का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस के केस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने बताया कि इस मामले में दोषी ठहराने या बरी करने का अंतिम आदेश 3 अगस्त 26 को सुनाया जाएगा। न्यायाधीश पंवार ने महिला पहलवानों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन, बृजभूषण शरण सिंह के वकील राजीव मोहन और दिल्ली सरकार के वकील की अंतिम दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुरक्षित रखा। यह पूरा मामला छह महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा है, जिनकी शिकायतों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी।

पुलिस ने 15 जून 23 को बृजभूषण के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत चार्जशीट दाखिल की थी, जिनमें धारा 354, धारा 354, धारा 354 और धारा 506 (1) शामिल है। इसके बाद ट्रायल कोर्ट ने 10 मई को पहलवानों के उत्पीड़न के मामले में सिंह के खिलाफ आरोप तय किए थे। कोर्ट ने माना था कि उनके खिलाफ केस चलाने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। अदालत ने इस मामले में सह-आरोपी और कुश्ती महासंघ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर पर भी एक पीड़िता को डराने-धमकाने के आरोप में आपराधिक धमकी का केस तय किया था।

# पंजाब कांग्रेस में चन्नी के बागी सुर!

» राजा वडिंग के खिलाफ चन्नी गुट ने खोला मोचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक फेरबदल के बाद शुरू हुई अंदरूनी खींचतान अब खुली शक्ति-परीक्षा में बदलती नजर आ रही है। प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को लेकर असंतोष अब बंद कमरों से बाहर आ चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के मोरिंडा स्थित आवास पर लगातार दूसरे दिन नेताओं का जमावड़ा लगा, जहां पार्टी नेतृत्व और खासकर राजा वडिंग की कार्यशैली पर खुलकर सवाल उठे। पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि पंजाब कांग्रेस के भीतर अब लड़ाई सिर्फ पदों की नहीं, बल्कि 2027 के सत्ता चेहरे की है। चन्नी को कांग्रेस कैंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाए जाने के बाद उनके आवास पर समर्थक नेताओं का पहुंचना अपने आप में बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है।

बैठक में पहुंचे कांग्रेस नेता तरसेम सिंह डीसी ने सीधे राजा वडिंग को निशाने पर लिया। राजा वडिंग के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार नहीं बना सकती क्योंकि जनता उनका समर्थन नहीं करती। जनता चाहती थी कि पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बदला जाए। लोग चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब का अगला मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। यह बयान सिर्फ व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि चन्नी कैंप की रणनीतिक लाइन माना जा रहा है। राजा वडिंग की स्वीकार्यता पर सवाल खड़े करो और चन्नी को विकल्प के रूप में स्थापित करो। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मौजूद कई नेताओं और पूर्व विधायकों ने भी दो टूक कहा कि राजा वडिंग को संगठन की कमान नहीं दी जानी चाहिए थी। नेताओं का तर्क था कि 2022 की हार और उसके बाद के राजनीतिक प्रदर्शन को देखते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को बदलाव की उम्मीद थी। हालांकि, हाईकमान ने वही नेतृत्व बरकरार रखकर गलत संदेश दिया। एक वरिष्ठ नेता ने यहां तक कहा कि यदि पार्टी मौजूदा ढांचे के साथ आगे बढ़ती रही तो जमीनी स्तर पर कांग्रेस की वापसी मुश्किल हो सकती है।

# जनगणना के चलते राजस्व वसूली पड़ी धीमी!

» जोनल अधिकारी पस्त, कर अधीक्षक मस्त

» वर्षों से लंबित कर निर्धारण से निगम को भारी नुकसान की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में जनगणना कार्य के बीच कई जोनों की राजस्व वसूली की रफ्तार धीमी पड़ती दिखाई दे रही है। सूत्रो के मुताबिक जोन-3 और जोन-6 में जनगणना कार्य को लेकर नगर आयुक्त की नाराजगी पहले ही सामने आ चुकी है, लेकिन इसके बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। वहीं जोन-4, 5, 6, 7 और 8 भी राजस्व वसूली के मामले में लक्ष्य से पीछे बताए जा रहे हैं।

चर्चा है कि जनगणना कार्य के चलते राजस्व निरीक्षक, कर अधीक्षक, लिपिक और अन्य कर्मचारी अपने मूल दायित्वों पर पूरा ध्यान नहीं दे पा रहे हैं, जिसका सीधा असर नगर निगम की आय पर पड़ रहा है। कुछ अधिकारियों का मानना है कि नगर आयुक्त के तबादले के बाद जोनों में राजस्व निरीक्षकों के स्थानांतरण

और कई स्थानों पर बाबुओं व राजस्व निरीक्षकों की कमी ने भी व्यवस्था को प्रभावित किया है। जोन-4 की स्थिति भी सवालों के घेरे में है। चर्चा है कि कर अधीक्षक बनारसी पर कार्यभार अधिक होने के कारण जोन-4 की राजस्व व्यवस्था अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रही है। इसी वजह से राजस्व वसूली प्रभावित होने की बातें सामने आ रही हैं। इसके साथ ही वर्षों से लंबित कमर्शियल भवनों के पुनरीक्षित (री-असेसमेंट) और पुन: कर निर्धारण के मामलों का निस्तारण नहीं होने से नगर निगम को भारी राजस्व नुकसान होने की आशंका भी जताई जा रही है। अब निगाहें नगर आयुक्त पर टिकी हैं कि वे पिछड़ रहे जोनों की समीक्षा कर राजस्व वसूली को फिर से पटरी पर लाने, रिक्त पदों को भरने और वर्षों से लंबित कर निर्धारण के मामलों के निस्तारण के लिए क्या ठोस कदम उठाते हैं।

# सुप्रीम कोर्ट भी भाजपा के अधीन काम कर रहा है : संजय राउत

» राम मंदिर मुद्दे पर शिवसेना यूबीटी सांसद का बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अयोध्या के राम मंदिर निर्माण के चंदे में हुई कथित धोखाधड़ी विवाद पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सीधे तौर पर भाजपा को आड़े हाथों लिया है। राउत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नहीं पूरी देश की भावना है।

अब सुप्रीम कोर्ट के निगरानी में जांच होगी तो सुप्रीम कोर्ट निष्पक्ष है क्या? सुप्रीम कोर्ट भी उनके नीचे काम कर रहा है ना। मैं तो कहूंगा मुंबई हाई कोर्ट के जो जज है माधव जामदार उनके निगरानी में जांच होनी चाहिए। अब बहुत कम लोग बच्चे इस देश के न्याय व्यवस्था में। राउत ने कहा कि हां जो चाहते हैं कि ये सब साफ हो जाए। जिस तरह से अयोध्या एक तीर्थ क्षेत्र रहा राम की अयोध्या रही उसका अब अंडरवर बन गया है।

# आस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच होगा टी20 विश्वकप का फाइनल

» ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की होगी 7वें खिताब पर नजर, वहीं दूसरा विश्वकप जीतना चाहेगी इंग्लैंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। महिला टी20 विश्वकप 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। टूर्नामेंट को दोनों फाइनलिस्ट मिल चुके हैं। पहले सेमीफाइनल में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। अब दोनों टीमें पांच जुलाई (रविवार) को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आमने-सामने होंगी।

ऑस्ट्रेलिया की नजर रिकॉर्ड सातवें महिला टी20 विश्वकप खिताब पर होगी, जबकि इंग्लैंड की टीम 2009 के बाद दूसरी बार विश्व विजेता बनने के इरादे से उतरेगी। यह मुकाबला महिला क्रिकेट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच होगा। ऑस्ट्रेलिया पिछले एक दशक से इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम रही है, जबकि इंग्लैंड घरेलू परिस्थितियों और दर्शकों के समर्थन का फायदा उठाकर 17 साल बाद ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेगा। ऑस्ट्रेलिया अब तक सात बार फाइनल खेल चुकी है और छह बार चैंपियन बनी है। वहीं इंग्लैंड महिला टी20 विश्वकप के इतिहास में लगातार मजबूत टीमों में शामिल रहा है, लेकिन टीम अब तक सिर्फ एक बार ही चैंपियन बन सकी है। यानी इंग्लैंड पांचवीं बार महिला टी20 विश्व कप का फाइनल खेलेगा, लेकिन उसकी नजर 2009 के बाद दूसरे खिताब पर होगी।

### सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने अफ्रीका को 40 रनों से हराया

लंदन। महिला टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने कप्तान नेट शीवर ब्रंट और हीदर नाइट की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 169 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर सिर्फ 129 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज 35 रन तक अपने तीन प्रमुख विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान और हीदर नाइट ने चौथे विकेट के लिए 133 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो महिला टी20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबलों में चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। वहीं 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही, लेकिन टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। ताजमिन ब्रिट्स ने संघर्ष करते हुए अर्धशतक जरूर लगाया, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई बड़ा साथ नहीं मिला। ब्रिट्स के आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत की उम्मीदें भी खत्म हो गईं।

# विदेश में अवॉर्ड पर देश में मच गया घमासान

## विपक्षी दलों व कांग्रेस ने उठाए सवाल, स्पेलिंग मिस्टेक को लेकर भी बवाल, पीएम मोदी को सेशेल्स में मिला गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन सम्मान

### » बीजेपी बोली-यह अवॉर्ड पीएम मोदी की पर्यावरण की प्रतिबद्धता के लिए है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में अब विदेशों में मिलने वाले अवार्ड को लेकर सियासी रार मच गई है। अभी हाल में पीएम नरेंद्र मोदी को सेशेल्स में अवॉर्ड मिल गया इसको लेकर विपक्षी दलों व कांग्रेस के निशान पर वो आ गए है। प्रशस्ति पत्र में स्पेलिंग मिस्टेक को लेकर भी बवाल मच गया है। अब सोशल मीडिया पर बीजेपी बनाम कांग्रेस चल रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी अफ्रीका के द्वीपों के समूह वाले देश सेशेल्स पहुंचे थे। उस दौरे में सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने पीएम मोदी को गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन अवॉर्ड दिया।

पीएम मोदी ने भी इस अवॉर्ड को स्वीकार करते हुए खुशी जताई थी। अब यह अवॉर्ड क्या मिला, विपक्षी कांग्रेस को बेहद नागवार गुजरी। यहां तक कि विदेशी मीडिया ने भी पीएम मोदी पर कांग्रेस के हवाले से निशाना साधते हुए खबरें चलाईं-उन्हें कोई भी अवॉर्ड दीजिए, वे दौड़े चले आएंगे। सोशल मीडिया पर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत का इस बारे में एक वीडियो भी ट्रेंड कर रहा है, जिस पर यूजर्स पूछ रहे हैं कि क्या कांग्रेस को इससे जलन हो रही है?

द गार्जियन की एक स्टोरी के अनुसार, जब पीएम नरेंद्र मोदी सेशेल्स पहुंचे, तो हिंद महासागर में स्थित इस द्वीपीय देश ने तुरंत ही भारतीय प्रधानमंत्री को अपने सबसे बड़े सम्मानों में से एक से सम्मानित किया। बीजेपी ने सोशल मीडिया एक्स पर यह अवॉर्ड सस्टेनेबल ग्रोथ और पर्यावरण की देखभाल के प्रति उनकी लगातार प्रतिबद्धता को मान्यता देता है। पार्टी ने कहा-यह उन अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की कड़ी में एक और सम्मान है जो क्लाइमेट एक्शन, ग्रीन ग्रोथ और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में उनके योगदान को मान्यता देते हैं।

### क्या अवॉर्ड से जल गए कांग्रेस वाले : बीजेपी

सोशल मीडया इंस्टाग्राम पर बीजेपी जेनजी नाम के हैंडल पर सुप्रिया श्रीनेत का एक वीडियो शेयर करते हुए पूछा गया-क्या अवॉर्ड से जल गए? हर ग्लोबल सम्मान से बहस खत्म नहीं होती... कभी-कभी इससे कहीं बड़ी बहस शुरू हो जाती है। इसमें कहा गया है-कांग्रेस नेताओं ने इस सम्मान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। उन्होंने आधिकारिक प्रमाण-पत्र में वर्तनी की गलतियों की ओर इशारा किया और आरोप लगाया कि यह सम्मान विशेष रूप से मोदी के लिए ही बनाया गया था। उन्होंने यात्रा के दौरान सेशेल्स को दी गई भारत की वित्तीय सहायता, अनुदान और लाइन ऑफ क्रेडिट पर भी चिंता जताई और पूछा कि क्या यह सम्मान भारत की वित्तीय प्रतिबद्धताओं से जुड़ा था।

### विदेशी मोदी जी की कमजोरी समझ चुके हैं, बस अवॉर्ड देकर मूर्ख बनाते हैं : श्रीनेत

कांग्रेस की सुप्रिया श्रीनेत ने भी सोशल मीडिया एक्स पर पीएम मोदी की आलोचना कर डाली। भक्त निहाल हैं कि मोदी जी को अवार्ड मिल रहा है। वो बेचारे क्या जानें कि विदेशी मोदी जी की कमजोरी समझ चुके हैं। बस अवार्ड देकर मूर्ख बनाओ। सेशेल्स के दौरे के दौरान भारत ने 175 मिलियन डॉलर (लगभग 1500 करोड़ रूपये) की आर्थिक मदद देने का फैसला किया है। 125 मिलियन डॉलर लाइन ऑफ क्रेडिट और 50 मिलियन डॉलर की ग्रांट है जो वापस नहीं होगी। भक्त ताली थाली बजा सकते हैं! मामले को और गरमाते हुए जब सर्टिफिकेट को सॉफ्टवेयर से जांचा गया, तो बड़े पैमाने पर यह बात सामने आई कि इस एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाया गया था। विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने तुरंत इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा-उन्हें कोई भी अवॉर्ड दे दो, वे तुरंत चले आएंगे। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, वे इतनी जल्दबाजी में थे कि उन्होंने सेशेल्स गणराज्य का आधिकारिक नाम भी गलत लिख दिया।

# सोनमर्ग सुरंग में सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, छह जवान घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शुक्रवार को सोनमर्ग सुरंग के पास सीआरपीएफ का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन में सवार छह सीआरपीएफ जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनमर्ग सुरंग के निकट वाहन अचानक सड़क से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

**श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसा**

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद टीम ने सभी घायल जवानों को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद सभी घायलों को आगे के इलाज के लिए गंड स्थित सीआरपीएफ कैंप में भेजा गया। फिलहाल सभी जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित एजेंसियां जांच कर रही हैं।

# सोनम रघुवंशी को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत!

### » जमानत पर नहीं लगाई रोक अगली सुनवाई 10 जुलाई को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजा रघुवंशी मर्डर केस मामले में सोनम रघुवंशी की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। केस की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। मामले में मेघालय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मेघालय हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सोनम रघुवंशी को मिली जमानत को सही ठहराया गया था।

सोनम पर मई 25 में अपने पति राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या का मुख्य आरोपी होने का आरोप है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि सोनम रघुवंशी ने अपने साथ लाए तीन साथियों के साथ मिलकर राजा पर हमला किया और हत्या को अंजाम दिया, जिसके बाद उसके शव को एक गहरी खाई में फेंक दिया गया।

उन्होंने कहा कि बाद में वह फरार हो गई और उसे उत्तर प्रदेश में गिरफ्तार किया गया। आरोपपत्र का हवाला देते हुए मेहता ने कहा कि निचली अदालतों और ट्रायल कोर्ट दोनों ने उसके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला पाया, उसकी जमानत याचिका तीन बार खारिज की और इस बात पर चिंता जताई कि वह फरार हो सकती है, गवाहों को प्रभावित या धमका सकती है, या सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकती है। एसजी तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सोनम रघुवंशी को केवल इस आधार पर जमानत दे दी गई कि गिरफ्तारी के समय उसे गिरफ्तारी के सभी कारण पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि दस्तावेज में केवल एक कानूनी धारा के नंबर टाइप करने में गलती हुई थी। इतनी छोटी तकनीकी गलती के आधार पर जमानत नहीं मिलनी चाहिए। मेहता ने कहा कि जमानत बरकरार रहने की सूरत में सोनम के फरार होने की आशंका है।

### हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने हनीमून हत्याकांड में सोनम रघुवंशी को जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश पर सवाल भी उठाए। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश ने कहा कि उच्च न्यायालय के सोनम रघुवंशी की जमानत बरकरार रखने के फैसले पर कोर्ट को कुछ आपत्तियां हैं।

# भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई घायल हुए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं, कई अन्य घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से हुआ। पुलिस ने मृतकों की पहचान नल्लाबंडा बाजार, गिड्डालूर निवासी अवुला अलकनंदा (19), अवुला अंकलु (20), अवुला नागेश (17) और अवुला नागेश्वरी (2) के रूप में की है। दुर्घटना में घायल हुए लोगों को तुरंत इलाज के लिए कम्भम सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# चंपत राय जाएंगे जेल, मैं पीएम के संपर्क में: विनय कटियार

### » चढ़ावा चोरी मामले पर भाजपा नेता की खरी-खरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व सांसद और राम मंदिर आंदोलन के दौरान सक्रिय रहे विनय कटियार ने कहा कि मौजूदा घटनाक्रम पर अभी अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी और जो भी होगा, वह ठीक होगा। कटियार ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपर्क में हैं और उन्हें भरोसा है कि सब ठीक हो जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में चंपत राय और गोपाल राव के नाम भी सामने हैं तथा जांच के आधार पर चंपत राय को आगे चलकर जेल भी जाना पड़ सकता है।

विनय कटियार ने कहा कि चंपत जी तो...अब क्या कहें हम उनको. जब मैं इधर आया, तीन दिनों के बाद तो हमने कहा चंपत जी, कहां यहां चले आए हो. कारसेवकपुरम में रहो. अगर कुछ करना है तो हमारे घर पर आ जाओ लेकिन उनको बात समझ में नहीं आई, मैं क्या कर सकता हूं. मैंने उनको कहा कि लगता है कि आपका भी भाग्य ठीक नहीं है। होंने कहा कि आरोपी अविनाश उस समूह का हिस्सा नहीं थे और यदि उनके खिलाफ कार्रवाई होती है तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है. उन्होंने कहा कि एसआईटी एक ही दिन में जांच पूरी नहीं करती, इसमें दो-तीन दिन या उससे अधिक समय लग सकता है.

### पैसों का जबरदस्त गबन हुआः विनय कटियार

उन्होंने कहा कि जब हम जाएंगे तो सबके मुंह इतने-इतने से हो जाएंगे। बाबरी ढांचा विध्वंस का जिक्र करते हुए कटियार ने बताया कि उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने उनसे पूछा था कि क्या तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव उनके मित्र हैं और उनसे बात करने को कहा था. उनके अनुसार, नरसिंह राव लगातार फोन कर हालात की जानकारी ले रहे थे और ढांचा गिरने के बाद उन्होंने कहा था कि अब तो भेजना पड़ेगा ही। राम मंदिर चढ़ावा और कथित गबन मामले पर विनय कटियार ने कहा कि इस मामले में पैसों का जबरदस्त गबन हुआ है और इसकी जांच चल रही है।

### राम मंदिर चढ़ावा चोरी, राम जन्मभूमि परिसर में फिर पहुंची एसआईटी

अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर से जुड़े मामले की जांच तेज हो गई है। SIT की टीम शुक्रवार सुबह गेस्ट हाउस से राम जन्मभूमि परिसर के लिए रवाना हुई। जांच के तहत आज भी परिसर में पूछताछ का दौर जारी रहेगा। एसआईटी ने मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल के लिए बैंक कर्मचारियों को भी तलब किया है। बैंक कर्मचारियों से बंद कमरे में पूछताछ जारी है। टीम वित्तीय लेनदेन और अन्य दस्तावेजों से संबंधित पहलुओं की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए बृहस्पतिवार को एसआईटी अयोध्या पहुंची थी। ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा व गोपाल राव से करीब चार घंटे तक पूछताछ की। टीम ने चढ़ावे के ऑडिट से जुड़े दस्तावेज कब्जे में लिए और पदाधिकारियों से इससे जुड़े सवाल पूछे। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में कई सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं मिले जिससे आने वाले दिनों में पूछताछ का दायरा और बढ़ेगा। वहीं, पुलिस की आपराधिक जांच भी जारी है। इससे इन सभी पर अब पुलिस और एसआईटी का दोहरा शिकंजा कसेगा।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा